दया करना सीखिए!

निर्देश: यह अभ्यास किसी शांत जगह पर कीजिए। आयतें पढ़ते वक्त सोचिए कि आप वह घटना होते देख रहे हैं। उस घटना को अपने मन की आँखों से देखिए। किरदारों की बातचीत सुनिए। सोचिए कि उनके मन में क्या चल रहा है। इस तरह घटना की मन में जीती-जागती तसवीर बनाइए।
मुख्य किरदार: एक यहूदी आदमी, एक याजक, एक लेवी और एक सामरी
सारांश: यीशु की बतायी एक कहानी, जिसमें एक सामरी एक घायल यहूदी की मदद करता है।

1 इस घटना के बारे में सोचिए।—लूका 10:29-37 पढ़िए।

ज़रा सोचिए और बताइए कि यरूशलेम और यरीहो के बीच का रास्ता कैसा रहा होगा।

_____

_____

बताइए कि यहूदी आदमी को देखकर इन लोगों को कैसा लगा होगा और यह उनके चेहरे से कैसे पता चल रहा होगा।

याजक और लेवी _____

सामरी आदमी _____

जो आदमी "खुद को नेक साबित" करना चाहता था, उसने यीशु से किस तरीके से सवाल किया होगा? (आयत 25 और 29 पढ़िए।)

_____

_____

2 थोड़ी खोजबीन कीजिए।

यीशु की यह कहानी सुननेवालों को क्यों हैरानी हुई होगी कि एक सामरी ने यहूदी की मदद की? (यूहन्ना 4:9 पढ़िए।)

_____

_____

याजक और लेवी ने घायल यहूदी की मदद न करने के लिए मन-ही-मन कौन-से बहाने बनाए होंगे?

_____

_____

लूका 10:29 में, जिस आदमी ने यीशु से सवाल किया, उसे सीधे-सीधे जवाब न देकर यीशु ने कहानी क्यों सुनायी?

_____

_____

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 सीखी बातों पर चलिए।

लिखिए कि आपने इस बारे में क्या सीखा . . .

दया करने का क्या मतलब है?

हम अपने पड़ोसी से प्यार कैसे कर सकते हैं?

4 खुद से पूछिए।

मुझे दूसरे देश, राज्य या रंग-रूप के लोगों को किस नज़र से देखना चाहिए?

अगर कोई मुसीबत या परेशानी में है, तो क्या मुझे उस पर दया आती है और क्या मैं उसकी मदद करता हूँ?

इस पूरी घटना से मैंने कौन-सी अहम बात सीखी और क्यों?

सुझाव: इस कहानी की एक बड़ी तसवीर बनाइए, जिसमें एक-के-बाद-एक हुई सभी घटनाओं की छोटी-छोटी तसवीरें हों। बताइए कि हर तसवीर में क्या हो रहा है।

JW .ORG ™

www.jw.org से यह पीडीएफ डाउनलोड करके प्रिंट कीजिए

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania